वार्षिक प्रतिवेदन

2024-25

वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह

शनिवार 15 मार्च, 2025

मुख्य अतिथि

श्री ऋषि राम भाटिया

सेवानिवृत (प्राचार्य)

राजकीय महाविद्यालय शिवनगर

जिला कांगड़ा (हि0प्र0)

Scanned with OKEN Scanner

राजकीय महाविद्यालय शिवनगर जिला कांगड़ा

वार्षिक प्रतिवेदन 2024–2025

आदरणीय डॉ0 आर0 आर0 भाटिया जी, सेवानिवृत प्राचार्य हिमाचल प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग, आज इस महाविद्यालय के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह में आपको अपने मध्य पा कर हम आपार गर्व और सम्मान का अनुभव कर रहे हैं। मान्यवर, अपनी व्यस्त दिनचर्या के बावजूद इस समारोह में अपनी गरिमामयी उपस्थिति देकर आपने न केवल इस आयोजन की शोभा बढ़ायी है बल्कि हमें प्रोत्साहित व प्रेरित भी किया है। इसके लिए महाविद्यालय परिवार आपकी हृदय से कृतज्ञता व्यक्त करता है। मैं शिक्षकों, गैर शिक्षण कर्मचारियों, पी0टी0ए0 सदस्यों, समस्त विद्यार्थियों और अपनी ओर से आपका सादर अभिनन्दन एवं हार्दिक स्वागत करती हूँ। साथ ही इस अवसर पर उपस्थित अन्य सभी गणमान्य आतिथियों का भी हम तहेदिल से आभार व्यक्त करते हैं।

हिमालय की ऊँची धौलाधार पर्वत श्रृंखला की गोद में महंद खड्ड के किनारे शांत और सुरम्य परिवेश में स्थित राजकीय महाविद्यालय शिवनगर शिक्षा और ज्ञान का एक ऐसा केन्द्र है जो क्षेत्र के युवाओं के भविष्य को संवारने के प्रति निरंतर समर्पित है। इस महाविद्यालय का इतिहास हमारे स्थानीय समाज की दृढ़ इच्छा शक्ति और सामूहिक प्रयास का प्रतीक है। वर्ष 1993 से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के लिए यह उच्च शिक्षा का एकमात्र साधन रहा जो निजी महाविद्यालय के रूप में स्थापित किया गया था।

30 नवम्बर, 2015 को तत्कालीन सरकार और माननीय विधायक श्री यादविन्द्र गोमा जी के अथक प्रयासों के फलस्वरूप इस महाविद्यालय का सरकारीकरण हुआ। तभी से यह संस्थान न केवल उच्च शिक्षा का केन्द्र बना हुआ है बल्कि क्षेत्र के विद्यार्थियों को उनके सर्वांगीण विकास और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु सशक्त आधार प्रदान कर रहा है। महाविद्यालय का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में चरित्र निर्माण और नैतिक मूल्यों को प्रोत्साहित करना है

Scanned with OKEN Scanner

ताकि वे समाज और राष्ट्र के आदर्श नागरिक बन कर राष्ट्रीय विकास में अपना बहुमूल्य योगदान दे सकें। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में इस संस्थान में कला और वाणिज्य दोनों संकायों में 98 छात्र–छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। यह महाविद्यालय न केवल शिक्षा का केन्द्र है बल्कि ग्रामीण परिवेश में उत्कृष्टता और अनुशासन का प्रतिरूप बन कर क्षेत्र में प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

आज का यह दिन सभी पुरस्कार विजेताओं के लिए महत्वपूर्ण व स्मृतियों को संजोने का है। विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ रहने पर उन्हें आज पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। मान्यवर, अब मैं आपके समक्ष वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने की अनुमति चाहती हूँ।

शिक्षक वर्ग–

महाविद्यालय में शिक्षकों के 11 पद सृजित हैं, जिनमें राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास व गणित विषयों के पद रिक्त हैं। इस सत्र में डॉ0 शमशेर सिंह लंबे समय तक उच्च शिक्षा विभाग में सेवाएं देने के उपरांत सेवानिवृत हुए हैं।

गैर शिक्षक वर्ग–

गैर शिक्षक कर्मचारियों के नौ पद सृजित हैं, जिसमें से एक पद कार्यालय अधीक्षक ग्रेड–II, एक पद वरिष्ठ सहायक, एक पद लिपिक तथा एक पद तबला वादक का रिक्त चल रहा है। इसके अलावा श्रीमती अनीता कुमारी सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष इस महाविद्यालय में स्थानांतरित होकर आई हैं।

परीक्षा परिणाम–

किसी भी शिक्षण संस्थान की जमा पूंजी वहाँ के छात्र–छात्राएँ होते हैं। उनके विकास में ही महाविद्यालय एवं संस्थान का विकास निहित होता है। महाविद्यालय का प्राथमिक कार्य शिक्षा ही होता है। हमें आपको बताते हुए हर्ष का अनुभव हो रहा है कि विगत वर्ष का हमारा परीक्षा परिणाम 95 प्रतिशत रहा है।

Scanned with OKEN Scanner

छात्रवृत्तियाँ –

छात्र–छात्राओं को उत्तम शिक्षा प्रदान करने हेतु केन्द्रीय एवं राज्य प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2024–25 के दोनों संकायों के कुल 24 छात्र एवं छात्राओं ने आवेदन किया था जिसमें 04 छात्राएँ "कल्पना चावला छात्रवृत्ति योजना" के तहत छात्रवृत्ति प्राप्त कर रही हैं। इसके अतिरिक्त "प्रधानमन्त्री यशस्वी पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना" के तहत 16 विद्यार्थी छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हैं। पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना के तहत अनुसूचित जाति के 04 विद्यार्थियों ने छात्रवृत्ति के लिए आवेदन किया है।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ –

छात्रों के सम्पूर्ण विकास के लिए अध्ययन के अतिरिक्त सांस्कृतिक गतिविधियों का भी अपना एक विशेष महत्त्व है। महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र अपनी अंतर्निहित प्रतिभा को निखार सकें, इस उद्देश्य से महाविद्यालय में प्रतिवर्ष विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है जैसे भाषण, चित्रकला, नारा लेखन एवं रंगोली प्रतियोगिता इत्यादि। 5 सितंबर, 2024 को 'टेलेंट हंट' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य बच्चों में छुपी प्रतिभा खोजना था। इसी क्रम में महाविद्यालय द्वारा हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य पर काव्य पाठ प्रतियोगिता एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता–

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का वास होता है– इस उक्ति की सार्थकता एवं छात्रों में छिपी हुई खेल प्रतिभा के निखार के उद्देश्य से महाविद्यालय में प्रतिवर्ष वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष यह प्रतियोगिता 10 फरवरी, 2025 को खेल–प्रभारी प्रो0 राजेश कुमार के नेतृत्व में आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया। इस वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में दौड़, भाला फैंक, डिसकस थ्रो, शॉटपुट, लम्बीकूद एवं ऊँची कूद जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में लड़कों में साहिल बी0ए0 प्रथम वर्ष और लड़कियों में रितिका बी0कॉम0 द्वितीय वर्ष को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए।

Scanned with OKEN Scanner

कॉलेज छात्र केन्द्रीय संघ–

कालेज छात्र केन्द्रीय संघ का कार्य महाविद्यालय तथा छात्रों के बीच समन्वय स्थापित करना एवं छात्रों की विभिन्न समस्याओं को महाविद्यालय प्रशासन के समक्ष रखना और उनका निवारण करवाना है। सत्र 2024–25 के लिए महाविद्यालय में छात्र केन्द्रीय संघ का गठन शैक्षणिक उत्कृष्टता के आधार पर किया गया, जिसमें अध्यक्ष पद के लिए मुस्कान बी० ए० तृतीय वर्ष, उपाध्यक्ष पद के लिए कीर्ति बी० कॉम तृतीय वर्ष, महासचिव देवांशी बी० कॉम द्वितीय वर्ष, संयुक्त सचिव के लिए पल्लवी बी० कॉम प्रथम वर्ष को चुना गया। इसके साथ ही फरवरी माह में सीएससीए के तहत 'सृजनोत्सव' कार्यक्रम के अंतर्गत रंगोली, पोस्टर मेकिंग, भाषण प्रतियोगिता तथा अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों को आयोजित किया गया।

शिक्षकों की व्यक्तिगत उपलब्धियाँ–

प्रो० राजेश कुमार अंग्रेजी विभाग द्वारा वी.आर.बी कॉलेज ऑफ कॉमर्स रायचूर कर्नाटका द्वारा 2 से 7 दिसंबर, 2024 तक आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया गया। इसके उपरांत 13 से 19 फरवरी, 2025 तक राजकीय महाविद्यालय सुजानपुर द्वारा आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

प्रो० शिखा धरवाल वाणिज्य विभाग_द्वारा Empowering Lives for a Prosperous Tomorrow : A Comprehensive Vision for Viksit Bharat नामक पुस्तक में Fintech and Financial Inclusion in India : Transforming Access to Financial Services शीर्षक नाम का अध्याय तथा Viksit Bharat 2047 : New Hopes & Opportunities नामक पुस्तक में Beyond Branches : The Digital Transformation of Indian Banking Service Sector शीर्षक नाम का अध्याय जोड़ा गया। इसके अलावा IT Impact on Services in the Indian Banking Sector तथा Digital Transformation and its Impact on Business Economy and Environment : SDGs (Sustainable Development Goals) विषय पर 29 व 30 नवंबर, 2024 को राजकीय महाविद्यालय सरकाघाट द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में

Scanned with OKEN Scanner

शोध पत्र प्रस्तुत किए गए तथा NPTEL द्वारा Effective Teaching विषय पर आयोजित द्वि–साप्ताहिक कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ0 उज्ज्वल सिंह संगीत विभाग ने अपने अध्यापन कार्य के अतिरिक्त विभिन्न सामाजिक कार्यों में भी भाग लिया। संगीत विषय के साथ–साथ अन्य सामाजिक विषयों पर राष्ट्रीय समाचार पत्र दैनिक जागरण के पाठकनामा स्तंभ में निरंतर लेख लिखे। इसके अलावा हिमाचल दस्तक साप्ताहिक समाचार पत्र गिरिराज में विभिन्न विषयों पर लेख प्रकाशित हुए। इसके अतिरिक्त संयुक्त राज्य अमेरिका से प्रकाशित होने वाले साप्ताहिक समाचार पत्र ''हम हिन्दुस्तानी'' में लेख प्रस्तुत प्रकाशित किया। इसके अतिरिक्त 29 अगस्त, 2024 प्रसार भारती की सुगम संगीत स्वर परीक्षा गायन में आकाशवाणी शिमला में भाग लिया। 22 सितंबर, 2024 को दिव्य हिमाचल द्वारा प्रायोजित प्रतियोगिता 'हिमाचल की आवाज' में निर्णायक की भूमिका निभाई। 9 अक्तूबर, 2024 को भारत विकास परिषद की राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता के अंतर्गत निर्णायक की भूमिका निभाई। 23 दिसंबर, 2024 को आकाशवाणी शिमला द्वारा की गई भजनों की रिकॉर्डिंग में भाग लिया। इसके उपरांत 14 जनवरी, 2025 व 27 जनवरी, 2025 को पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ द्वारा रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया। इसके साथ–साथ राजकीय महाविद्यालय सुजानपुर द्वारा आयोजित सात दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक संस्थान द्वारा नवंबर, 2024 में आयोजित विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण की।

डा0 नीतिका शर्मा वाणिज्य विभाग द्वारा 29–30 नवंबर, 2024 को राजकीय महाविद्यालय सरकाघाट द्वारा आयोजित 'डिजिटल परिवर्तन और व्यवसाय', 'अर्थव्यवस्था और पर्यावरण पर इसके प्रभाव' तथा सतत् विकास पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शोध प्रस्तुत किया। 2 से 4 दिसंबर, 2024 को AI CTE द्वारा अनुमोदित Institute of Science and Management रांची झारखंड द्वारा आयोजित "Finding the Right Journal" पर तीन दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया। इसके उपरांत 18 जनवरी, 2025 को चितकारा विश्वविद्यालय चंडीगढ़ द्वारा 'सीखने के भविष्य पर' आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। 13 से 19 फरवरी, 2025 को राजकीय महाविद्यालय सुजानपुर द्वारा सतत् विकास और पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित सात दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। Principles

Scanned with OKEN Scanner

of Marketing विषय पर प्रकाशित पुस्तक के सह लेखक के रूप में कार्य किया।

प्रो0 विवेकानन्द शर्मा संस्कृत विभाग द्वारा गोकुल ग्लोबल युनिवर्सिटी द्वारा 'एनईपी–2020 के संदर्भ में सांस्कृतिक अध्ययन का महत्व' विषय पर सात दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया गया। श्री शंकर शिक्षायत्न वैदिक शोध संस्थान द्वारा आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। इसके उपरांत 31 जनवरी, 2025 को श्री शंकर शिक्षायत्न वैदिक शोध संस्थान द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक संस्थान द्वारा नवंबर, 2024 में आयोजित विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण की।

डॉ0 योगेश पाण्डेय हिन्दी विभाग द्वारा 22 व 23 अगस्त, 2024 को जम्भेश्वर विश्वविद्यालय हिसार में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किया गया। इसके उपरांत 24 सितंबर, 2024 को जामिया–मिलिया–इस्लामिया विश्वविद्यालय द्वारा हिन्दी में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। 2 से 7 दिसंबर, 2024 को गोकुल ग्लोबल युनिवर्सिटी द्वारा 'एनईपी–2020 के संदर्भ में सांस्कृतिक अध्ययन का महत्व' विषय पर सात दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया गया। 28 व 29 जनवरी, 2025 को जगदीश सरन हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय अमरोहा एवं उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आधुनिक हिन्दी कविता में हिमाचली लोक संस्कृति के तत्व' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। 13 से 19 फरवरी, 2025 को राजकीय महाविद्यालय सुजानपुर द्वारा सतत् विकास और पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित सात दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। 'हाशिये की आवाज' पूर्व समीक्षित पत्रिका के मार्च, 2025 के अंक में 'निर्मला पुतुल की कविता में स्त्री प्रश्न' विषय पर शोध पत्र प्रकाशित किया।

अभिभावक–अध्यापक संघ–

अभिभावक–अध्यापक संघ सदैव ही महाविद्यालय के विकासात्मक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। अभिभावक, छात्रों एवं महाविद्यालय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए शैक्षणिक सत्र 2024–25 में अभिभावक–अध्यापक संघ का गठन 14 सितम्बर, 2024 को किया गया।

Scanned with OKEN Scanner

इसमें अध्यक्ष श्री जरनैल सिंह, उपाध्यक्ष श्री राजेश कुमार, सचिव डॉ0 योगेश पाण्डेय, संयुक्त सचिव श्रीमती अनीता चौधरी, मुख्य सलाहकार श्री रामरतन शर्मा, कोषाध्यक्ष श्री लाल सिंह मिन्हास तथा लेखाकार डॉ0 नीतिका शर्मा को चुना गया।

मैं अपनी, शिक्षक एवं गैर–शिक्षक वर्ग की ओर से समस्त पी0टी0ए0 कार्यकारिणी का दिल की गहराईयों से इनके सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ और यह स्नेहिल संबंध यूँ ही बना रहे, ऐसी कामना करती हूँ।

महाविद्यालयी पत्रिका–

महाविद्यालय में छात्रों के सृजनात्मक विकास एवं उनमें छिपी प्रतिभा को जागृत करने के लिए महाविद्यालय में प्रतिवर्ष "शिवांक" नामक पत्रिका का प्रकाशन किया जाता है। वार्षिक पत्रिका छात्रों के लिए उनके भावों एवं विचारों को मूर्त रूप देने का अवसर प्रदान करती है, साथ ही साथ उनके लेखन कौशल को भी निखारती है। यह पत्रिका अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, वाणिज्य एवं पहाड़ी अनुभाग में प्रकाशित की जाती है। सत्र 2023–24 में महाविद्यालय पत्रिका का दूसरा संस्करण ऑन लाइन माध्यम से छात्रों के लिए उपलब्ध है।

पुस्तकालय–

किसी भी शिक्षण संस्थान में पुस्तकालय का महत्व सर्वविदित है। पुस्तकालय वह स्थान है जहां छात्र पाठ्यक्रम एवं अन्य पुस्तकों, पत्र–पत्रिकाओं एवं समाचार पत्रों के माध्यम से ज्ञानार्जन करते हैं। महाविद्यालय में लगभग 26 छात्रों के बैठने की क्षमता वाला पुस्तकालय उपलब्ध है, जिसमें लगभग 2005 पुस्तकें हैं जिनमें से 1169 पाठ्य पुस्तकें तथा 836 संदर्भ पुस्तकें उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त 4 हिन्दी तथा एक अंग्रेजी समाचार पत्र और 6 पत्रिकाएँ छात्रों को अध्ययन के लिए उपलब्ध हैं।

रेड रिबन क्लब–

छात्रों एवं समाज को एड्स, नशे एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के लिए महाविद्यालय में 'रेड रिबन क्लब' का गठन किया गया है। वर्तमान में डा0 नीतिका शर्मा इस क्लब की प्रभारी हैं। इन्होंने इस क्लब के अंतर्गत 22

Scanned with OKEN Scanner

अगस्त, 2024 को 'एड्स पर जागरुकता' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया, जिसमें महाविद्यालय प्राचार्या डॉ0 संगीता सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रही। इसके उपरांत 30 अगस्त, 2024 को एड्स के संबंध में जागरुकता पर 'फ्लैश मॉब' व रैली का आयोजन किया गया। 21 सितंबर, 2024 को एच0पी0एस0ए0सी0एस0 द्वारा आयोजित एक दिवसीय पुनश्चर्या कार्यक्रम में नोडल अधिकारी डॉ0 नीतिका शर्मा एवं 3 विद्यार्थियों ने भाग लिया। 5 अक्तूबर, 2024 को सी0एच0सी0 भवारना एवं सी0एच0सी0 खैरा द्वारा महाविद्यालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। 18 नवंबर, 2024 को रेड रिबन क्लब की नोडल अधिकारी डॉ0 नीतिका शर्मा द्वारा हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के कॉन्फरेंस हॉल में 'टीबी पर 100 दिवसीय अभियान' विषय पर आधारित एक दिवसीय बैठक में भाग लिया। इसके पश्चात 30 नवंबर, 2024 को 'सही रास्ता अपनाओ' थीम पर एड्स दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पोस्टर मेकिंग व रील मेकिंग जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। 19 फरवरी, 2025 को 'टीबी मुक्त भारत' अभियान के अंतर्गत 'लीफ पेंटिंग' प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसको जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा सराहना करते हुए राज्य की 'कॉफी टेबल बुक' में प्रकाशित करने के लिए चुना गया।

करियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल–

महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के भविष्य को रोजगारोन्मुखी बनाने और उन्हें रोजगार के अवसरों की जानकारी एवं मार्गदर्शन देने के उद्देश्य से करियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल का गठन किया गया है। इस सत्र में सेल द्वारा 2 अगस्त, 2024 को 'ग्राम हट' कार्यक्रम का आयोजन कार्यक्रम समन्वयक डॉ0 नीतिका शर्मा द्वारा किया गया। 9 सितंबर, 2024 को 'What's App Group- Success Seekers for Career Guidance and Competitive Examinations' का निर्माण डॉ0 नीतिका शर्मा द्वारा किया गया। 4 अक्तूबर, 2024 को IQAC व Career Counselling and Placement Cell के संयुक्त तत्वावधान में 'Polishing Potential' पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें सेवानिवृत प्राचार्य डॉ0 अजय लखनपाल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। इसके अलावा 10 अक्टूबर, 2024 को हिन्दी विभाग के सहयोग से 'हिन्दी विषय में रोजगार के अवसर' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय

Scanned with OKEN Scanner

वायु सेना के वरिष्ठ अनुवादक डॉ0 हारुन अंसारी विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हुए। 9 नवंबर, 2024 को 'हिमाचल व भारत की राजनीति' विषय पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन डॉ0 शमशेर सिंह के नेतृत्व में किया गया। इसके पश्चात 17 दिसंबर, 2024 को 'बारहवीं के बाद बच्चों को रोजगार के अवसर' विषय पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लाहट में व्याख्यान आयोजित किया गया तथा 19 दिसंबर, 2024 को महाविद्यालय में 'Resume Writing' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन अंग्रेजी विषय के सहायकाचार्य राजेश कुमार द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना–

महोदय इस महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की आधी इकाई स्वीकृत है, जिसमें 50 स्वयं सेवी नामांकित हैं। महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 योगेश पांडेय के नेतृत्व में स्वयं सेवियों द्वारा समाज सेवा, पर्यावरण एवं स्वच्छता संबंधी जागरुकता और छात्रों में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। सत्र 2024–25 में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 10 अगस्त, 2024 को नशा मुक्ति कार्यक्रम पर पोस्टर मेकिंग व नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके पश्चात 12 अगस्त को 'एक पेड़ माँ के नाम', 14 अगस्त को 'हर घर तिरंगा' तथा 21 अगस्त को 'बजट पर चर्चा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 14 सितंबर, 2024 को हिन्दी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जबकि 24 सितंबर, 2024 को 'स्वच्छता ही सेवा' तथा 'प्लास्टिक मुक्त भारत' तथा फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 10 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य दिवस, 28 अक्तूबर को 'दिवाली माई भारत वाली' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया। इसके अलावा 11 नवंबर, 2024 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस, 16 नवंबर को गौरव रैली तथा 19 नवंबर को सफाई अभियान के तहत एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। 18 से 24 दिसंबर, 2024 को सात दिवसीय विशेष शिविर का अयोजन किया गया जिसमें गहाविद्यालय के एनएसएस के स्वयं सेवियों ने महाविद्यालय कैंपस की सफाई साहित कई अन्य कार्यों में अपनी सहभागिता दर्ज करवाई। 17 व 18 फरवरी, 2025 को प्रकृति संरक्षण विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 6 मार्च, 2025 को आपदा

Scanned with OKEN Scanner

प्रबंधन से संबंधित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया तथा 8 मार्च, 2025 को महिला दिवस का आयोजन किया गया।

ईको क्लब–

राजकीय महाविद्यालय शिवनगर में छात्रों को प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से 'ईको क्लब' का गठन किया गया है। इस क्लब के अंतर्गत महाविद्यालय में छात्रों को जागरुक करने के लिए समय–समय पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, ताकि विद्यार्थी प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति अपने दायित्व को समझें। 5 जून, 2024 को महाविद्यालय के इको क्लब द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया, जिसमें महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 संगीता सिंह के साथ अन्य प्राध्यापकों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया। पर्यावरण प्रदूषण आज के समय की ज्वलंत समस्या है। आज ग्लोबल वार्मिंग का असर हमारे पर्यावरण पर स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रहा है, इसलिए हम सब का यह कर्तव्य बनता है कि सभी पर्यावरण के संरक्षण के लिए अपना बहुमूल्य योगदान दें। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए महाविद्यालयी सदस्यों एवं छात्र–छात्राओं द्वारा समय–समय पर पौधारोपण किया गया।

महिला शिकायत निवारण सैल–

महाविद्यालय में कार्यरत महिलाओं एवं छात्राओं की सुविधा एवं सुरक्षा की दृष्टि से महिला शिकायत निवारण सैल का गठन किया गया है। इसके अंतर्गत 24 अगस्त, 2024 को 'लिंग संवेदीकरण' विषय पर ऑरिएंटेशन का आयोजन किया गया। उसके उपरांत 16 नवंबर, 2024 को 'सोसल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नैतिकता और जिम्मेदारियां' विषय पर अंग्रेजी विभाग की सहायकाचार्य अपूर्वा ठाकुर द्वारा एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। 2 दिसंबर, 2024 को लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने हेतु एक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें डीएसपी पुलिस विभाग बैजनाथ श्री अनिल शर्मा एवं श्री मनमोहन चौधरी "चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट" मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। 8 मार्च, 2025 को महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

Scanned with OKEN Scanner

सड़क सुरक्षा क्लब–

एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हम सब का कर्तव्य बनता है कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें और इसके प्रति जागरुकता का प्रसार करें। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए इस वर्ष सड़क सुरक्षा क्लब प्रभारी डॉ0 उज्ज्वल सिंह के मार्गदर्शन में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें 29 नवंबर, 2024 को सड़क सुरक्षा विषय पर एक शपथ ग्रहण समारोह एवं जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के उपप्राचार्य डॉ0 शमशेर सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इसके उपरांत 2 दिसंबर, 2024 को क्लब द्वारा सड़क सुरक्षा विषय एवं ट्रैफिक नियमों की जानकारी हेतु एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें ए0एस0आई0 ट्रैफिक पुलिस श्री देशराज मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम में 56 बच्चों ने भाग लिया। 6 फरवरी, 2025 को सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और 19 फरवरी, 2025 को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

रोवर एंड रेंजर–

राजकीय महाविद्यालय शिवनगर में 10 अगस्त, 2024 को रोवर्स एंव रेंजर्स इकाई द्वारा 'नशा मुक्ति' विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनका उद्देश्य छात्रों को नशे के प्रति जागरुक करना था। महाविद्यालय द्वारा 13 अक्तूबर, 2024 को आपदा प्रबंधन के अंतर्गत 'समर्थ दिवस' का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों द्वारा 'घर–घर दस्तक' विषय के अंतर्गत जनता से 'सुरक्षित निर्माण सुरक्षित समाज' की अपील की। 6 एवं 7 दिसंबर 2024 को रोवर्स एवं रेंजर्स इकाई द्वारा आपदा प्रबंधन से संबंधित द्वि–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें प्राथमिक चिकित्सा एवं आपदा आने पर किस प्रकार से उसके प्रभाव को कम किया जा सकता है, पर विस्तार से चर्चा की गई। 28 सितंबर, 2024 को नशा निरोधक दस्ते द्वारा छात्रों को नशे से बचाव एवं शरीर को स्वस्थ रखने हेतु दोनों के बीच में वॉलीबॉल का मैच करवाया गया। 6 मार्च, 2025 को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं वंशिका सांस्कृतिक कला मंच के सौजन्य से 'आपदाओं से बचाव' विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया।

Scanned with OKEN Scanner

संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान श्रृंखला–

भारतीय ज्ञान परंपरा एक समृद्ध परंपरा है। छात्रों को अपनी संस्कृति एवं परंपराओं से परिचित करवाने हेतु महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा एक व्याख्यानमाला का आयोजन किया जा रहा है। उसी कम से 11 सितंबर, 2024 को 'वैदिक साहित्य' विषय पर एवं 16 अक्तूबर, 2024 को 'वेदांग' विषय पर तथा 21 दिसंबर, 2024 को 'छात्र जीवन में योग का महत्व' विषय पर विशेष व्याख्यानों का आयोजन किया गया। इनका उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व को समझने का अवसर प्रदान करना है। 28 फरवरी, 2025 को विभाग द्वारा छात्रों में 'प्राणायाम का महत्व' विषय पर प्रो0 विवेकानंद शर्मा द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

संगीत विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान श्रृंख्ला–

24 अगस्त, 2024 को राजकीय महाविद्यालय शिवनगर कांगड़ा के संगीत विभाग द्वारा हिमाचल प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति पर केंद्रित एक व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया। हिमाचल की लोक संस्कृति पर यह व्याख्यान श्रृंखला महाविद्यालय के उस निरंतर प्रयास का एक महत्तवपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देना और संरक्षित करना है। इस अवसर पर संगीत विभाग के प्राध्यापक डॉ0 उज्ज्वल सिंह ने हिमाचल प्रदेश के विविध लोक गीतों पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें विद्यार्थियों को हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर में गहराई से समाए विभिन्न प्रकार के लोक गीतों से परिचित करवाया। व्याख्यान का समापन डॉ0 उज्ज्वल सिंह द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक 'बसोआ' लोक गीत के साथ हुआ, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

श्रृंखला भाग–2 में डॉ0 उज्ज्वल सिंह ने हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले की लोक संस्कृति के संदर्भ में एक व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें मुसादा गायन, कुंजड़ी मल्हार, सुई मेला, मिंजर मेला पर महत्वपूर्ण विचार रखे।

25 दिसंबर, 2024 को श्रृंखला भाग 3 में डॉ0 उज्ज्वल सिंह ने हिमाचल प्रदेश के काँगड़ा जिले के संस्कार गीतों के संदर्भ में एक व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिसमें जन्म गीत एवं विवाह गीतों पर महत्वपूर्ण विचार रखे। 20 फरवरी, 2025 को 'लोक संगीत' विषय पर संगीत विभाग द्वारा एक दिवसीय

Scanned with OKEN Scanner

कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें संगीतकार एवं शिक्षाविद् डॉ0 जनमेजय सिंह गुलेरिया मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यान श्रृंखला–

23 सितंबर, 2024 को विभाग द्वारा 'संचार कौशल' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें सेवानिवृत प्राचार्या डॉ0 सविता सिंह ने 'संचार कौशल' का महत्व बताते हुए विद्यार्थियों से संवाद भी किया। 16 नवंबर, 2024 को 'तकनीकी युग में सोशल मीडिया की नैतिकता और जवाबदेही' विषय पर प्रो0 अपूर्वा ठाकुर द्वारा व्याख्यान दिया गया।

संस्कार क्लब–

8 नवंबर, 2024 को एक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें क्लब के सदस्य प्रो0 विवेकानंद शर्मा द्वारा नैतिक शिक्षा पर अपने महत्त्वपूर्ण विचार रखे गए। क्लब द्वारा 28 नवंबर, 2024 को 'दिवाली माई भारत वाली' अभियान के तहत दिवाली का उत्सव मनाया गया। 14 नवंबर, 2024 को संस्कार क्लब की सदस्या डॉ0 नीतिका शर्मा द्वारा भारतीय परंपरा में तुलसी विवाह के महत्व पर एक व्याख्यान के माध्यम से अपने महत्त्वपूर्ण विचार रखे गए।

उपलब्धियाँ–

महाविद्यालय शिवनगर ने हाल ही में कई महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इन उपलब्धियों से महाविद्यालय का बुनियादी ढांचा और शैक्षणिक वातावरण दोनों ही बेहतर हुए हैं।

तकनीकी विकास–

– महाविद्यालय में वाई–फाई सुविधा शुरु की गई है।
– छात्रों के लिए आईटी लैब स्थापित की गई है।

शैक्षणिक विकास–

– पुस्तकालय में सुधार किए गए हैं, जैसे कि नए मैट और व्हाइट वॉस करवाया गया है।

Scanned with OKEN Scanner

– छात्रों के लिए (ओ0एस0ए0) पुरातन छात्र संघ स्थापित किया गया है।

– वाणिज्य विभाग द्वारा 'ग्राम हाट' का आयोजन किया गया है, जिसमें महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने स्वयं के उत्पाद तैयार कर महाविद्यालय प्रांगण में बिक्री के लिए प्रस्तुत किए।

– संगीत, संस्कृत एवं अंग्रेजी विभाग द्वारा व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया जा रहा है।

– महाविद्यालय में खेल की सुविधा के लिए कबड्डी मैट मंगवाया गया।

भौतिक ढांचा–

– महाविद्यालय भवन की मरम्मत और रंगाई की गई।

– स्फाई व्यवस्था के लिए सफाई कर्मी को सप्ताह में दो दिन के लिए बुलाया जाता है।

– बगीचे और बैठने की जगहों का विकास किया गया।

– सुरक्षा के लिए जाली और लाइट्स लगाई गई है।

– सोलर लाइट्स लगाकर उर्जा दक्षता बढ़ाई गई है।

– बरामदे में रेलिंग लगाई गई है।

– छात्र–छात्राओं और महाविद्यालय की सुरक्षा के लिए महाविद्यालय की कंटीली तारों से फेंशिंग करवाई गई।

अन्य उपलब्धियाँ –

– एन0एस0एस0 वाटिका का निर्माण किया गया।

– पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम लिया गया।

– महाविद्यालय का मासिक ई–समाचार पत्र 'शिवनगर पल्स' और 'बुलेटिन बोर्ड' शुरु किए गए।

– महाविद्यालय को राज्य स्तरीय सर्वेक्षण में 18वां स्थान प्राप्त हुआ।

– महाविद्यालय पुस्तकालय को लेवल–1 ग्रेडिंग प्राप्त हुई।

इन उपलब्धियों से स्पष्ट है कि महाविद्यालय शिवनगर छात्रों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

Scanned with OKEN Scanner

महाविद्यालय सम्बन्धी अपेक्षाएं–

- महाविद्यालय के भवन निर्माण का कार्य अंतिम चरण में है अतः हम अगले शैक्षणिक सत्र में नए महाविद्यालय भवन में प्रवेश की अपेक्षा रखते हैं।
- महाविद्यालय का अपना खेल का मैदान नहीं है जिस कारण छात्रों को खेलकूद प्रतियोगिता एवं अन्य गतिविधियों के आयोजन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।
- इसी कम में महाविद्यालय में एक छात्र गतिविधि केन्द्र जिसमें सभागार, इंडोर स्पोर्ट्स जैसे टेबल टेनिस, बैडमिन्टन कोर्ट तथा जिम इत्यादि सुविधाएं अपेक्षित हैं।
- महाविद्यालय में प्रचलित पाठयक्रमों के अतिरिक्त यहां के छात्रों की मांग पर भूगोल तथा शारीरिक शिक्षा इत्यादि विषयों का शुरु किया जाना अपेक्षित है।
- महाविद्यालय में रिक्त पड़े शिक्षकों व गैर शिक्षकों के पदों को भरना।
- इस क्षेत्र के बच्चे व्यावसायिक एवं तकनीकी पाठयक्रमों के लिए अन्य महाविद्यालयों का रुख करते हैं अतः यहां पर बी0बी0ए0 एवं बी0सी0ए0 की कक्षाओं के साथ–साथ वोकेशनल कोर्स भी आरंभ करना महाविद्यालय की मुख्य मांगों में से एक है।
- अपशिष्ट प्रबंधन (वेस्ट मेनेजमेंट) – महाविद्यालय परिसर एवं आस–पास स्वच्छता बनाए रखने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं, जहां से एकत्रित किए गए कचरे के निपटान के लिए महाविद्यालय को अपशिष्ट प्रबंधन की आवश्यकता है।
- पर्यावरण अनुकूलन वर्तमान समय की आवश्यकता है। इसकी पूर्ति के लिए नवीकरणीय ऊर्जा एक उत्तम साधन है। नवीकरणीय उर्जा के तहत सौर ऊर्जा की अथाह संभावना हमारे पास मौजूद है, जिससे बिजली की निरंतर आपूर्ति के साथ महाविद्यालय पर्यावरण अनुकूल बनेगा।
- महाविद्यालय प्रांगण में विद्यार्थियों के बैठने के लिए बैंच लगवाना तथा महाविद्यालय में कैंटीन की व्यवस्था की जानी अपेक्षित है।

मैं अपनी वाणी को विराम देने से पूर्व अपने अन्तःकरण की गहराइयों से मुख्यातिथि महोदय का आभार प्रकट करती हूं कि आपने अपना बहुमूल्य

Scanned with OKEN Scanner

समय विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए दिया व हमारे बीच पधार कर इस समारोह की गरिमा बढ़ाई। मैं धन्यवाद करती हूँ स्थानीय प्रशासन का, मीडिया का, पुलिस, लोक निर्माण, विद्युत, जल शक्ति व जन स्वास्थ्य विभाग का जिन्होंने समय–समय पर हमें सहयोग दिया है। इसके अतिरिक्त मैं महाविद्यालय के विद्यार्थियों, पी0टी0ए0 सदस्यों, शिक्षक व गैर–शिक्षक सदस्यों की भी आभारी हूँ, जिन्होंने पूरी लगन व उत्तरदायित्व के साथ इस समारोह को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। मैं समस्त पुरस्कार विजेताओं को बधाई देती हूँ और अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ।

धन्यवाद,

जय हिन्द!

जय हिमाचल!

दिनांक: 15.03.2025

Scanned with OKEN Scanner